नीमच | हनीट्रैप के जाल में फंसा कर शादीशुदा कांस्टेबल को किया ब्लैकमेल

आरोपियों की गिरफ्तारी

महिलाएं अब अपने स्त्री रूप का इस्तेमाल लोगों को लुभाने और उन्हें जाल में फंसाने के लिए कर रही हैं। पुरुष स्वभाविक रूप से महिलाओं पर जल्दी भरोसा कर लेते हैं, और यही उनकी कमजोरी बन जाती है।

आरोपी पति और पत्नी

देवास की रहने वाली है शीना

न्यू कांस्टेबल गोपाल की मुलाकात आरोपी शीना तिवारी (बदला नाम) से करीब डेढ़ साल पहले हुई थी। शुरुआत में यह एक सामान्य दोस्ती थी, जैसा कि आमतौर पर लोगों के बीच होती है। गोपाल शादीशुदा था और पुलिस विभाग में अपनी ड्यूटी नियमित रूप से करता था। शीना तिवारी मूल रूप से देवास जिले की निवासी थी, लेकिन पिछले कुछ समय से वह अपने पति हरीश के साथ मंदसौर जिले के लूनाहेड़ा इलाके में रह रही थी।

धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती गहरी होती गई। नियमित बातचीत और मुलाकातों के चलते उनका विश्वास बढ़ता गया। गोपाल को कभी इस बात का अंदेशा नहीं हुआ कि यह दोस्ती उसके लिए मुसीबत का कारण बनेगी। शीना ने एक देखभाल करने वाली और सहानुभूति रखने वाली महिला का रूप धारण कर रखा था, जो अपनी पारिवारिक समस्याओं के बारे में उससे खुलकर बात करती थी।

उमेश यादव टीआई

16 जनवरी 2024 को शीना तिवारी ने गोपाल को फोन किया कर कहा कृपया मेरे घर आ जाइए। मेरे पति शराब पीकर आए हैं और मेरे साथ मारपीट कर रहे हैं।

गोपाल को शीना पर भरोसा था। वह तुरंत उसके घर पहुंच गया। उसे लगा कि वह सच में एक मदद की जरूरत है और वह एक परिचित के तौर पर उसकी सहायता कर रहा है। लेकिन जैसे ही वह घर के अंदर दाखिल हुआ, वहां का माहौल बिल्कुल अलग था। कोई मारपीट नहीं हो रही थी, कोई हंगामा नहीं था।

भरोसा जीतकर करती थी शिकार

आरोपी शीना और हरीश तिवारी मूल रूप से देवास जिले के रहने वाले हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों में वे कई जगहों पर घूमते रहे हैं। यह लगातार स्थान बदलने की प्रवृत्ति भी उनके अपराधिक मानसिकता को दर्शाती है, क्योंकि इससे उनकी पहचान छुपी रहती थी और पुलिस उन तक आसानी से नहीं पहुंच पाती थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शीना तिवारी पहले भी ऐसी वारदातों में शामिल रही है। वह परिचितों को घर बुलाकर अचानक से नजदीकियां बढ़ाने का नाटक करती थी, फिर किसी तरह से उनके वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करती थी। उसका पति हरीश रुपये वसूलने का काम करता था।

शीना के हनीट्रेप का तरीका बेहद शातिर था। शीना एक सुनियोजित साजिश के तहत अपना काम करती थी। पहले वह किसी परिचित व्यक्ति पर अपना जाल डालती थी। वह एक सहानुभूतिपूर्ण महिला का रूप धारण करती थी, जो अपनी समस्याओं के बारे में बात करती थी। धीरे-धीरे वह अपने शिकार को इस कदर करीब लाती थी कि उस व्यक्ति को उस पर पूरा भरोसा हो जाता था। इसके बाद वह उसे यह कहकर घर बुलाती थी कि उसका पति शराब पीकर मारपीट कर रहा है और उसे समझाने की जरूरत है। जैसे ही शिकार घर पहुंचता, शीना अपनी टी-शर्ट उतार कर खड़ी हो जाती फिर पीछे से पति वहां आकर शिकार पर बलात्कार का आरोप लगाने लगता। जिसके बाद दोनों मिलकर उस व्यक्ति को डराते-धमकाते थे। वे उस पर रेप और अनैतिक संबंधों के झूठे आरोप लगाते थे, और मुकदमा दर्ज कराने तथा बदनाम करने की धमकी देते थे। ब्लैकमेलिंग का यह तरीका इतना प्रभावी था कि अधिकतर लोग बदनामी के डर से चुप रह जाते थे और पैसे दे देते थे।

फिरौती की रकम गिनता आरोपी

नीमच में तैनात एक शादीशुदा कांस्टेबल गोपाल के हनी ट्रैप में फंसने का मामला न केवल पुलिस विभाग के लिए शर्मिंदगी का कारण है, बल्कि यह समाज में बढ़ती अपराधिक प्रवृत्ति का भी उदाहरण है। गोपाल को दोस्ती के नाम पर एक महिला ने अपने जाल में फंसाया और अपने पति के साथ मिलकर डेढ़ लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली।

गोपाल को देखते ही शीना ने कहा देखिए पति ने मुझे कितनी बुरी तरह मारा है, यह कहते हुए उसने अपनी टी-शर्ट उतार दी। शीना ने टी-शर्ट के नीचे कुछ भी नहीं पहना था इसलिए शीना को इस हाल में देखकर गोपाल एकदम से डर गया। उसने कहा ठीक है आप शर्ट पहन लीजिए या कम से कम चेहरा उस तरह कर लीजिए। नजरें झुकाए हुए गोपाल ने शीना से कहा ही था कि अचानक शीना का पति हरिश बगल के कमरे ने निकलकर सामने आकर बोला अच्छा तो यहां यह सब चल रहा है। फिर गोपाल की तरफ कुटिल मुस्कान के साथ देखते हुए बोला अगर आपका काम अभी न हुआ तो मैं थोड़ी देर के लिए बाहर चला जाता हूं।

अरे नहीं भाई ऐसा कुछ नहीं है। गोपाल ने शीना के पति को सफाई देने की कोशिश की मगर उसकी बात अनुसनी का हरीश ने उस पर अनुचित आरोप लगाना शुरू कर दिया। उसने आरोप लगाया कि गोपाल उसकी पत्नी के साथ अनैतिक संबंध बनाने आया है।

बनाने आया नहीं जबरदस्ती बना चुका है, शीना बोली और अपनी टी-शर्ट पहनकर पति के पास जाकर खड़ी हो गई। गोपाल समझ गया कि शीना ने उसके साथ विश्वासघात किया है।

हरीश और शीना ने गोपाल को घेर लिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि या तो वह उन्हें पैसे दे दे, नहीं तो उसके खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया जाएगा। गोपाल एक पुलिसकर्मी होते हुए भी इस स्थिति में पूरी तरह से टूट गया। वह जानता था कि एक पुलिसकर्मी पर रेप का आरोप कितना गंभीर होता है। भले ही आरोप झूठा हो, लेकिन जांच और मीडिया के दबाव में उसकी जिंदगी नर्क बन सकती थी। बदनामी के डर ने उसे कमजोर बना दिया। कई दिनों तक मानसिक रूप से परेशान रहने के बाद, गोपाल ने आरोपियों की मांग मानने का फैसला किया। उसने सोचा कि पैसे देकर वह इस मामले को रफा-दफा कर देगा और अपनी नौकरी और इज्जत बचा लेगा। लेकिन उसे यह नहीं पता था कि ब्लैकमेलर्स कभी एक बार में संतुष्ट नहीं होते हैं।

आरोपियों की मांग थी कि गोपाल उन्हें 1.70 लाख रुपये दे। इस राशि को जुटाना गोपाल के लिए आसान नहीं था। लेकिन अपनी नौकरी और सम्मान बचाने के लिए वह कुछ भी करने को तैयार था। उसने किसी तरह से एक लाख रुपये की नकद राशि की व्यवस्था कर ली।

12 अप्रैल 2025 को गोपाल आरोपी महिला शीना के पास पहुंचा और उसे एक लाख रुपये की नकद राशि दे दी। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी गोपाल पूरी तरह से मूर्ख नहीं था। उसने अपनी सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया जब वह रुपये दे रहा था, तब उसने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। इसके अलावा, उसने 70 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से भी ट्रांसफर किए।

शेष पृष्ठ 7 पर...

सत्यकथा

कटनी : दाम से पहले काम की मांग करने वाले युवक की हनीट्रैप गर्ल ने की हत्या

डॉ. देवेन्द्र साहू

न्यू कटनी जंक्शन थाना इलाके में बसे प्रेमनगर में 16 अप्रैल की शाम सब कुछ रोज की तरह अपनी गति से चल रहा था। गरमी का मौसम था इसलिए शाम गहराने के साथ ही सड़कों पर लोगों की आवाजाही बढ़ गई थी। वहीं मोहल्ले की महिलाएं भी दिन भर की गरमी से परेशान होकर बाहर निकलकर अपनी-अपनी पड़ोसनों के साथ बातचीत में व्यस्त थी।

इसी बीच कोई साढ़े आठ बजे के आसपास एक युवक सहमा सा प्रेमनगर में दाखिल होकर लोगों ने नजरें बचाते हुए कालोनी में रहने वाली शीला यादव के घर में दाखिल हो गया।

सब अपने में मस्त थे इसलिए किसी ने युवक के वहां आकर शीला के घर में जाने को नोटिस नहीं किया। लोगों में हलचल और दहशत तो एक साथ उस वक्त फैली जब वही युवक चीखते चिल्लाते हुए शीला यादव के घर से बाहर निकलकर मुख्य मार्ग की तरफ दौड़ा लेकिन थोड़ी दूर जाकर काली मंदिर के पास सड़क पर गिर गया।

लोगों को कुछ समझ नहीं आया मगर जब पास जाने पर युवक को खून से लथपथ देखा तो किसी ने तत्काल इस बात की खबर डायल 112 को खबर कर दी जिसने पलक झपकते ही मौके पर पहुंचकर सड़क पर पड़े घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर्स ने उसकी जांच करते हुए उसे मृत घोषित कर दिया।

> प्रदीप पहले भी तन की तपन को शीतल करने के लिए कीमत दे कर रूबी के साथ वक्त बिता चुका था। इसलिए जब एक बार फिर प्रदीप ने रूबी से वक्त मांगा तो पति और भाई के साथ मिलकर रूबी ने हनीट्रेप की योजना बनाकर प्रदीप को मिलने बुला लिया और...

जिस तरह से घायल युवक के प्राइवेट पार्ट वाले हिस्से में आगे-पीछे दोनों तरफ दर्जन भर गहरे घाव थे उससे पुलिस इतना तो समझ की गई थी कि मामला हत्या का है। इसलिए सूचना मिलने पर एनकेजे थाना प्रभारी रूपेन्द्र सिंह अस्पताल पहुंच चुके थे जहां मृतक के जेबों की तलाशी लेने पर उसकी पहचान बड़वारा थाना सीमा के गांव पहरिया में रहने वाले सुरेश साहू के पुत्र प्रदीप साहू के रूप में हो जाने के बाद पुलिस की एक टीम 48 किलोमीटर जाकर सुबह होने तक प्रदीप के परिजनों को लेकर कटनी आ गई जहां उन्होंने मृतक की पहचान अपने बेटे प्रदीप के रूप में कर दी।

सरकारी अस्पताल में डॉ. अनिल जामदानी ने प्रदीप के शव का पीएम कर अपनी रिपोर्ट में बताया कि मृतक के गुप्तांग वाले हिस्से में धारदार हथियार के गहरे घाव होने के अलावा लाठी आदि से मारपीट के निशान भी मिले हैं। पीएम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण अधिक खून का बहना बताया गया। पीएम में हत्या किए जाने की बात सामने आते ही एसपी संतोष कुमार डेहरिया के निर्देश पर थाना एनकेजे में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी एएसआई नरेश झारिया और उनकी टीम को सौंप दी गई।

इस टीम ने प्रेमनगर इलाके में काली मंदिर के पास जाकर वारदात की जांच करने की शुरूआत की। इसी काली मंदिर के पास कल रात लगभग साढ़े नौ बजे प्रदीप को घायल अवस्था में पड़े पाया गया था।

मौके पर काफी खून फैला था। पुलिस ने खून के निशानों का पीछा किया तो टीम जल्द ही इलाके में रहने वाली शीला यादव के घर तक पहुंच गई जहां से खून के निशान शुरू हुए थे।

इसी बीच साइबर सेल ने भी अपना काम पूरा कर दिया। साइबर सेल को मालूम चला कि कल रात प्रदीप की आखिरी बात शीला यादव के पड़ोस में रहने वाली युवती रूबी जायसवाल उर्फ रूबी दुबे (बदला नाम) से हुई थी।

जिस तरह से प्रदीप के गुप्तांग को निशाना बनाकर उसके ऊपर हमला किया था उससे पुलिस को पहले ही शक था कि मामला किसी युवती से जुड़ा हो सकता है। इसलिए जब शीला यादव से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि कल शाम को पड़ोस में रहने वाली रूबी ने थोड़ी देर के लिए उसके कमरे को उपयोग करने के लिए मांगा था। रूबी का कहना था कि उसका कोई खास मेहमान आ रहा है जिससे उसे एकांत में बात करना है।

इलाके में पूछताछ में यह भी मालूम चला कि कल जब प्रदीप, शीला यादव के मकान से निकलकर चिल्लाते हुए भागा था उस वक्त रूबी और उसका पति विपिन दुबे तथा भाई मनीष जायसवाल भी शीला के घर में मौजूद थे।

शेष पृष्ठ 4 पर...

पुलिस ने हत्या के इस मामले को 36 घंटों में ही उजागर कर रूबी को उसके पति और भाई के साथ जेल भेज दिया है।

मंदसौर

हॉट गर्ल ने अश्लील वीडियो बनाकर रेलकर्मी से ठगे 21 लाख

ब्लैकमेल गर्ल

24 अप्रैल के रोज मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति अपनी केबिन में बैठे कुछ पुराने मामलों की फाइल देख रहे थे। इसी दौरान थाने में लगभग तीस साल की एक निहायत ही खूबसूरत सी महिला ने प्रवेश करते हुए उनसे मिलने की इजाजत मांगी।

महिला अकेली आई है और परेशान हाल में है यह जानकार टीआई श्री प्रजापति ने उसे तत्काल केबिन में बुलाकर उससे थाने आने का कारण पूछा। इसके जवाब में थाने आई सपना चौहान (बदला नाम) ने जो कुछ बताया उसे सुनते ही टीआई श्री चौहान ने एक महिला पुलिस अधिकारी को बुलाकर सपना की पूरी बात सुनकर उसकी रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दे दिए।

कमलेश प्रजापति टीआई

सपना ने जो बताया उसके अनुसार हेमंत (बदला नाम) नाम के एक रेलवे कर्मचारी ने उसके साथ सपना की मर्जी के खिलाफ बलात्कार करने का आरोप लगाया। मामला गंभीर था इसलिए उसे तत्काल मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया जहां सपना के साथ बलात्कार की पुष्टि होने पर हेमंत के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

बलात्कार जैसे घिनौने और गंभीर अपराध में एक रेलवे कर्मचारी की गिरफ्तारी से मंदसौर रेलवे स्टेशन के स्टाफ में हलचल मच गई। किसी को भरोसा नहीं हो रहा था कि हेमंत जैसा सीधा और भले स्वभाव का आदमी किसी मजबूर महिला के साथ अपने क्षणिक सुख के लिए बलात्कार भी कर सकता है।

बहरहाल रिपोर्ट के बाद हेमंत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। लेकिन इस मामले में मोड़ तब आया जब कुछ दिन बाद हेमंत की पत्नी ने थाने जाकर न केवल

अपने पति पर बलात्कार कर आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजने वाली सपना को ब्लैकमेलर बताया बल्कि वो सारे सबूत भी पुलिस के सामने रखे जिनसे यह जाहिर था कि पिछले एक साल में सपना ने हेमंत को बलात्कार का मामला दर्ज करवाने की धमकी देकर उससे अलग-अलग किस्त में 21 लाख 13 हजार रुपए लूट लिए थे। इसके बाद जब हेमंत के पास उसे देने को और पैसा बचा ही नहीं तो हेमंत की न से तंग आकर सपना ने उसके ऊपर दबाव बनाने के लिए बलात्कार कर मामला दर्ज करवा दिया था।

हेमंत की पत्नी द्वारा पेश किए गए सबूत कहानी को कांच की तरह साफ दिखाने के लिए पर्याप्त थे इसलिए पुलिस ने हेमंत के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवाने वाली सपना के खिलाफ धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज कर उसके ठिकाने पर दबिश दी लेकिन वह फरार हो गई। जिसके बाद पुलिस की जांच और पीड़ित हेमंत के बयान के आधार पर यह पूरी कहानी इस प्रकार सामने आई।

रेल विभाग में पदस्थ हेमंत कुमार अपनी पत्नी और परिवार के साथ सुखी जीवन व्यतीत कर रहा था। उसका पूरा समय अपनी ड्यूटी में और ड्यूटी से जो समय बचता वह उसे परिवार के लिए देता था। संयोग की बात है कि कोई डेढ़ साल पहले एक बार जब हेमंत की पत्नी मायके गई हुई थी तब समय काटने के लिए उसने एक मित्र की दी सलाह के चलते सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखा।

> **सोशल मीडिया पर दोस्ती के कुछ समय बाद ही सपना, महेन्द्र से काफी खुल गई थी। महेन्द्र को सपना का यह बेबाक अंदाज खूब भाता था वहीं सपना भी महेन्द्र को अक्सर इस बात का अहसास करवाती रहती थी कि महेन्द्र उसके लिए बेहद खास है।**

जल्द ही इसमे उसकी रुचि भी जागने के बाद वह जब भी मौका मिलता सोशल मीडिया पर वक्त जरूर बिताता।

इसी दौरान एक रोज उसकी मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 32 वर्षीय सपना से हुई। सोशल मीडिया पर किसी विपरीत लिंगी के साथ हेमंत की यह पहली दोस्ती थी। इसलिए सपना के बारे में सब कुछ जानने के लिए वह काफी उत्सुक था। लेकिन उसे क्या पता था कि सपना एक खूबसूरत युवती नहीं बल्कि ऐसी शिकारी है जो सोशल मीडिया पर अपने रूप का जाल फैलाकर हेमंत जैसे मालदार लोगों को शिकार करती है।

इसलिए सपना की हकीकत से अंजान हेमंत ने उसमें रुचि दिखाना शुरू किया तो सपना ने खुद हो एक किताब की तरह खोलकर हेमंत के सामने रख दिया। जिसमें हेमंत के लिए सबसे अच्छी बात यह थी कि सपना उसकी तरह मंदसौर की रहने वाली थी। हेमंत इसे एक संयोग समझ रहा था जबकि वास्तविकता यह थी कि सपना ने हेमंत के बारे में सारी जानकारी जुटाने के बाद ही सोशल मीडिया पर उसे दोस्ती का चारा डाला था।

इसलिए सपना ने हेमंत के मन में अपनी बातों की मिठास में मिलाकर झूठे इश्क और दोस्ती का जहर पिलाना शुरू कर दिया। जिससे सीधा-साधा हेमंत, सपना के बुने जाल में फंसने लगा। इसलिए जब सपना किसी बात को लेकर हेमंत की तारीफ करती तो हेमंत भी लौटकर कभी उसकी आवाज की तो कभी उसकी खनकदार हंसी की तारीफ कर देता। ऐसे में एक रोज जब हेमंत ने उसकी आवाज की तारीफ की तो सपना ने गहरी सांस लेते हुए मदहोश कर देने वाली आवाज में कहा-

कभी मेरी आवाज को अपने कानों में रूबरू सुनना चाहते हो?

काश कभी सुन पाता तो जानता कि जो आवाज फोन पर इतनी दिलकश है वह रूबरू कितनी मीठी होगी।

मीठी नहीं जनाब लड़कियों की आवाज मीठी नहीं होती। हमारी आवाज या तो नशीली होती है या फिर मादक। इसी आवाज से तो लड़कियां अपने चाहने वाले को या तो नशे में चूर कर देती है या फिर मादकता के समंदर में डुबा देती हैं। बोला तुम्हें क्या पसंद है नशा या फिर मादकता?

हेमंत को सपना की तरफ से इतने खुले जबाव की उम्मीद नहीं थी इसलिए कुछ देर तो वह चुप रहा फिर हिम्मत जुटाकर बोला, दोनो, नशा भी मादकता भी।

अरे वाह तुम तो कुछ ज्यादा ही स्मार्ट निकले। मगर

ठीक है ऑफर मैंने दिया था इसलिए तुम्हारी इच्छा पूरी करना ही पड़ेगी। मगर इसके लिए तुम्हें मेरे पास आना पड़ेगा।

ठीक है मैं आ जाऊंगा।

ओके मैं जल्द ही तुम्हें बताती हूं कि कब और कहां आना है।

उस रोज हेमंत ने सपना से मिलने के बारे में अपनी सहमति तो दे दी लेकिन बाद में रात भर सो न सका। कभी वह सोचता कि यह गलत है उसे सपना से नहीं मिलना चाहिए। फिर अगले ही पल उसका मन कहता कि एक बार मिल लेने में कोई बुराई भी नहीं है। फिर कभी उसे लगता कि सपना ने कहा जरूर है लेकिन वह उसे मिलने नहीं बुलाएगी।

लेकिन सपना का हेमंत के साथ दोस्ती करने का जो मकसद था वह उससे अकेले में मिले बिना पूरा नहीं हो सकता था इसलिए दो बाद ही सपना ने उसे फोन कर रामटेकरी इलाके में एक मकान का पता देते हुए वहां आने को कहा। हेमंत बुरी तरह डर गया उसने सोच लिया कि वह सपना से मिलने नहीं जाएगा।

शेष पृष्ठ 7 पर...

नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर बनाया अश्लील वीडियो

सपना ने हेमंत को मिलने के बहाने बुलाकर उसका अश्लील वीडियो बनाया था। हेमंत के अनुसार सपना ने उसे कोल्ड ड्रिंक दिया जिसे पीते के बाद जब उसे होश आया तो खुद को निर्वस्त्र सपना के बिस्तर पर पाया। जहां बगल में सपना भी उसी अवस्था में पास में लेटी हुई थी। हेमंत का आरोप है कि इसी दौरान सपना ने उसका अश्लील वीडियो बनाया था।

21 लाख ठगने के बाद भी दर्ज करवा दी बलात्कार की रिपोर्ट

हेमंत के अनुसार वीडियो वायरल करने और बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज करवाने की धमकी देकर सपना ने उससे 21 लाख 13 हजार रुपए अलग-अलग समय पर लिए। इसके बाद जब हेमंत के पास उसे देने के लिए पैसा नहीं बचा तो सपना ने उसके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवा दिया।

ओके, कुछ दिन रुको फिर में तुम्हें बताऊंगी।

> **सपना की मीठी बातों में फंसकर महेन्द्र एक रोज सपना के बुलाने पर एकांत कमरे में उससे मिलने पहुंच गया। वहां जो कुछ हुआ उसके बाद महेन्द्र के बैंक एकाउंट की राशि घटने और सपना के एकांउट में बढ़ने लगी।**

...पृष्ठ 2 का शेष

लेकिन उसे यह भी लगता कि अगर वह नहीं गया तो बेवफा माना जाएगा। इसलिए उसने सपना के बताए ठिकाने पर जाने की ठान ली। साथ ही साथ मन में यह पक्का निश्चय कर लिया कि वह सपना के साथ जरा सी भी नजदीकी नहीं बनाएगा। बस एक अच्छे दोस्त की तरह कुछ पल मिलकर वापस आ जाएगा।

यही सब सोचकर हेमंत तय समय पर रामटेकरी इलाके में सपना के बताए पते पर पहुंच गया। जहां मौजूद सपना ने गर्म जोशी से उसका स्वागत करते हुए पूछा क्या पियोगे ठंडा, गरम या कुछ और?

कुछ नहीं बस आपसे मुलाकात हो गई यहीं बहुत है।

अरे वाह यार लोग तो आप से तुम पर आते है तुम, तुम से आप पर वापस लौट रहे हो। लेकिन कुछ तो पीना ही पड़ेगा। ठीक है कुछ ठंडा पिला दो।

मैं जानती थी कि तुम ठंडा ही पसंद करोगे।

कैसे?

जब आदमी अंदर से गरम हो तो ऊपर से ठंडा दिखने की कोशिश जो करता है। यह कहकर सपना ने बिंदास अंदाज में हंसते हुए अपना सिर हेमंत के कंधे पर रख दिया।

सपना के रेशमी बालों ने आ रही महक ने हेमंत को पागल सा कर दिया था लेकिन उसने अपना काबू नहीं खोया लेकिन जैसे ही सपना का दिया कोल्ड ड्रिंक उसके गले से नीचे उतरा उस पर अजीब सी बेहोशी छा गई। कई घंटो बाद जब हेमंत की चेतना कुछ संभली तो उसने अपने आप को सपना के बेडरूम में बिस्तर पर निर्वस्त्र पाया। उसे चौंककर बिस्तर पर उसी की तरह हालत में लेटी सपना की तरफ प्रश्नवाचक नजरों से देखा तो वह मुस्करा कर उसके गले से लग गई।

हेमंत को सब कुछ अजीब लग रहा था लेकिन उसने सपना के सामने अपना डर व्यक्त नहीं होने दिया और मुस्कराने का नाटक करते हुए कुछ देर बाद घर वापस आ गया। उस रोज के बाद उसने सपना से फोन पर बात करना बेहद कम कर दिया। बात करता भी तो उस दिन की मुलाकात का कोई जिक्र नहीं करता लेकिन सपना बार-बार उसे उसी दिन की बात पर ले जाने का प्रयास करती। फिर एक दिन उसने हेमंत को वह अश्लील वीडियो भेज दिया जिसमें वह सपना के साथ पलंग पर अश्लील स्थिति में था। उसने सपना से गुस्से में इस वीडियो का कारण पूछा तो सपना ने सीधे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे दो लाख रुपयों की मांग की।

इज्जत के डर हेमंत ने उसे दो लाख दे दिए तो सपना उससे बार-बार पैसों की मांग करने लगी। इस प्रकार साल भर में सपना ने उससे 21 लाख से भी अधिक रुपए झटक लिए। इस पर भी सपना की मांग नहीं रुकी मगर अब देने के लिए हेमंत के पास और पैसा नहीं था इसलिए जब उसने पैसा देने से मना किया तो 24 अप्रैल को सपना ने उसके खिलाफ बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके बाद हेमंत ने अपने परिवार को पूरी बात बताई जिसके बाद ही उसकी पत्नी ने थाने जाकर सबूत के साथ सपना के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया जिसके बाद से वह फरार है।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

...पृष्ठ 3 का शेष

उनकी नजर जमीन पर पड़े दीनदयाल के शव पर पड़ी तो वे चीख पड़े। लेकिन गौरी नहीं हिली। वो शव के पास ही बैठी रही। दोपहर के बाद शाम ढली। रात के करीब 8 बजने वाले थे। पूरा परिवार सन्नाटे में डूबा था। रिश्तेदारों ने समझाया, बेटी, अब तुमने ये कर दिया है, तो कानून के सामने जवाब देना होगा। अगर तुम भागोगी, तो पूरे परिवार को मुसीबत आएगी।

गौरी को अपने बच्चों की चिंता सता रही थी। वो उस रिश्तेदारी में अभी भी सुरक्षित थे, लेकिन उनकी मां जेल चली जाएगी तो उनका क्या होगा? फिर भी उसने फैसला किया कि वो भागेगी नहीं। वो अपने किए की सजा भुगतने को तैयार थी।

छतरपुर शहर के मोटे के महावीर हनुमान मंदिर बेहद प्रसिद्ध है। दूर-दूर से भक्त यहां दर्शनों के लिए आते हैं। 1 जून की शाम को

गौरी अपनी मां के साथ इसी मंदिर पहुंची और हनुमान जी की मूर्ति के सामने बैठकर वो फूट-फूट कर रोने लगी। उसने लगभग दस मिनट तक प्रार्थना कर अपने पाप की क्षमा मांगी और भगवान से बच्चों का ध्यान रखने के लिए कहकर सीधे सिविल लाइन पहुंच गई।

रात करीब 8 बजे गौरी ने थाने में प्रवेश किया। वहां पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एक अधेड़ उम्र की महिला और उसकी बेटी को देखा, जिसके कपड़ों पर खून के धब्बे थे। उनके हाथ में एक डंडा भी था।

गौरी ने बिना झिझक कहा,मैंने अपने पति की हत्या कर दी है। उसकी लाश घर में पड़ी है। यह सुनकर पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस टीम ने शिवनगर कॉलोनी पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर गौरी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

...पृष्ठ 6 का शेष

अब वह मेरे चारों बच्चों और सारे जेवरात, नकदी लेकर फरार है। मुझे जान से मारने की धमकी देकर गई है। साहब, आप ही एकमात्र सहारा हैं।

सीएसपी अनुरागना सिरसाम ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तत्काल संबंधित थाना पुलिस को निर्देश दिए कि महिला और बच्चों की तलाश की जाए। साथ ही यह भी जांच करने को कहा गया कि आखिर महिला के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है। क्या वह वास्तव में किसी रिश्ते में है या फिर कोई दूसरा दबाव है। पुलिस के लिए यह मामला सामान्य घरेलू विवाद नहीं था। इसमें कई कानूनी पहलू थे घरेलू हिंसा, संपत्ति की लूट, नाबालिग बच्चों का अपहरण और जान की धमकी।

पुलिस टीम ने आशु उर्फ कमल सेन के बारे में जानकारी इकट्ठा करना शुरू कर दिया। साइबर सेल की मदद से मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल्स निकाली जा रही थीं। बताया जा रहा था कि आरती और कमल सेन लगातार संपर्क में थे। साथ ही पुलिस ग्वालियर के आसपास के इलाकों में भी दबिश दे रही थी, क्योंकि यह आशंका थी कि आरती या तो कमल सेन के किसी ठिकाने पर है या फिर किसी रिश्तेदार के घर।

वीरेन्द्र की सबसे बड़ी चिंता अपने बच्चों को लेकर थी। चारों बच्चों में सबसे बड़ी बेटी करीब 15 साल की थी, जबकि सबसे छोटा बेटा सिर्फ 7 साल का। जैसे ही सामने आया, पूरे ग्वालियर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पता चला कि आशु उर्फ कमल सेन पेशे से ऑटो ड्राइवर था और उसकी उम्र करीब 35 साल थी। वह खुद भी शादीशुदा था और उसके भी बच्चे थे। लेकिन उसने अपनी पत्नी को छोड़ दिया था और आरती के साथ रहने लगा था।

उनके मिलने की कहानी भी दिलचस्प थी। दरअसल, आरती अक्सर बाजार जाने के लिए ऑटो लेती थी और धीरे-धीरे कमल सेन से उसकी जान-पहचान बढ़ती गई। शुरुआत में सिर्फ दोस्ती थी लेकिन बाद में यह रिश्ता गहरा होता चला गया। एक और चौंकाने वाली बात सामने आई

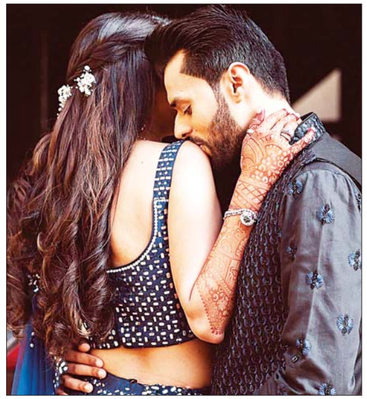

कि जब आरती पहली बार जनवरी 2026 में घर छोड़कर गई थी, तो वह कमल सेन के पास ही रही थी।

पुलिस को लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, आरती और आशु अब ग्वालियर से बाहर कहीं चले गए थे। उनके साथ चारों बच्चे भी थे। जानकारी के अनुसार, वे झांसी या दतिया की तरफ गए थे। सीएसपी ने बताया कि पुलिस ने आसपास के जिलों में भी अलर्ट जारी कर दिया है और रेलवे स्टेशनों तथा बस स्टैंडों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही बच्चों के स्कूलों को भी सूचित कर दिया गया है कि यदि आरती बच्चों को स्कूल भेजने की कोशिश करती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

...पृष्ठ 8 का शेष

कुल मिलाकर, आरोपी दंपती ने कांस्टेबल से 1.70 लाख रुपये ऐंठ लिए। पैसे देने के बाद भी गोपाल मानसिक रूप से शांत नहीं हो पाया। वह लगातार इस बात से डरता रहता था कि कहीं आरोपी फिर से उसे ब्लैकमेल न करने लगें। आखिरकार, कई महीनों तक इस यातना को सहने के बाद, गोपाल ने एक साहसिक फैसला लिया। उसने 31 मई 2025 को मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी चौकी में जाकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उसने चौकी प्रभारी धर्मेश यादव को पूरी घटना की जानकारी दी और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पिपलिया मंडी चौकी के प्रभारी धर्मेश यादव ने कांस्टेबल की शिकायत को गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। सबसे पहले उन्होंने गोपाल से सारे सबूत इकट्ठा किए वह वीडियो, जिसमें आरोपी हरीश रुपये गिन रहा था, और आरोपियों से हुई चैटिंग के स्क्रीनशॉट।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला के मोबाइल फोन

की जांच की। यह जांच बेहद अहम थी क्योंकि इससे पता चल सकता था कि कहीं आरोपी दंपती ने पहले भी इसी तरह की वारदातें तो नहीं की हैं। जब पुलिस ने मोबाइल चेक किया तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। शीना के मोबाइल में कई बैंक ट्रांजैक्शन के प्रमाण मिले। ये ट्रांजैक्शन अलग-अलग लोगों से प्राप्त हुए थे, जिससे साफ संकेत मिलता था कि कांस्टेबल गोपाल पहला शिकार नहीं था। इससे पहले भी शीना और उसके पति इसी प्रकार से लोगों को अपना शिकार बनाते रहे हैं।

पुलिस जांच में शीना तिवारी के काम करने का तरीका पूरी तरह से सामने आ गया। शीना एक सुनियोजित साजिश के तहत अपना काम करती थी। पहले वह किसी परिचित व्यक्ति पर अपना जाल डालती थी।

धीरे-धीरे वह अपने शिकार को इस कदर करीब लाती थी कि उस व्यक्ति को उस पर पूरा भरोसा हो जाता था। इसके बाद वह उसे यह कहकर घर बुलाती थी कि उसका पति शराब पीकर मारपीट करता है और उसे समझाने की जरूरत है। जैसे ही शिकार घर पहुंचता, वहां उसका पति हरीश पहले से मौजूद होता था।

फिर दोनों मिलकर उस व्यक्ति को डराते-धमकाते थे। वे उस पर रेप और अनैतिक संबंधों के झूठे आरोप लगाते थे, और मुकदमा दर्ज कराने तथा बदनाम करने की धमकी देते थे। ब्लैकमेलिंग का यह तरीका इतना प्रभावी था कि अधिकतर लोग बदनामी के डर से चुप रह जाते थे और पैसे दे देते थे।

जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने अगले दिन रात में कार्रवाई करने का फैसला किया। चूंकि मामला बेहद संवेदनशील था और आरोपी फरार हो सकते थे, इसलिए चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने एक विशेष टीम बनाई। टीम को सख्त निर्देश थे कि किसी भी स्थिति में आरोपियों को हाथ से न निकलने दिया जाए। इसके बाद देर रात को पुलिस टीम ने लूनाहेड़ा इलाके में छापा मारा। जब पुलिस आरोपी दंपती के घर पहुंची, तो वे पूरी तरह से सोच में पड़ गए। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि कांस्टेबल गोपाल उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराएगा। पुलिस ने बिना किसी झंझट के दोनों को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इससे पहले और कितने लोग इस दंपती के जाल में फंस चुके हैं। चूंकि मोबाइल से कई बैंक ट्रांजैक्शन मिले हैं, इसलिए उन लोगों तक पहुंचना भी जरूरी है।

.....

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

ग्वालियर

प्रेमी को घर में साथ रखने की जिद पर अड़ी एक पत्नी का कारनामा

जिद्दी पत्नी तथा पीड़ित पति

ग्वालियर के एसपी ऑफिस के बाहर सुबह की धूप तेज हो रही थी। 6 मई 2026 की वह सुबह कुछ अलग ही दहशत लिए हुए थी। सिर पर पट्टी बंधी, आंखों में डर और चेहरे पर बेबसी लिए एक युवक एसपी ऑफिस की जनसुनवाई में पहुंचा। उसका नाम था वीरेन्द्र कुशवाह (बदला नाम)। वह सिकंदर कंपू इलाके का रहने वाला था। उसके सिर पर अभी भी ताजा घाव था, जिसमें से खून रिस रहा था। पुलिस अधिकारियों को देखते ही वह फफक पड़ा।

बचाइए साहब, मेरी जान खतरे में है। मेरी ही पत्नी मुझे मरवाने पर उतारू है, वीरेन्द्र ने गिड़गिड़ाते हुए कहा।

पुलिस अधिकारियों ने उसे अंदर बिठाकर शांत किया। जब उसने अपनी पूरी दास्तान सुनाई तो वहां मौजूद हर कोई सन्न रह गया। एक शादीशुदा महिला न केवल अपने प्रेमी को पति के घर लाने की जिद कर रही थी, बल्कि विरोध करने पर पति पर ईंट से हमला कर दिया था। इससे भी बढ़कर, वह चारों बच्चों और घर के सारे गहने नकदी लेकर फरार हो गई थी।

वीरेन्द्र कुशवाह का जीवन कभी बहुत सुखी था। साल 2008 में उसकी शादी आरती कुशवाह (बदला नाम) से हिंदू रीति-रिवाजों के साथ हुई थी। शुरुआती दिनों में सब कुछ सामान्य था। धीरे-धीरे उनके चार बच्चे हुए, तीन बेटियां और एक बेटा। परिवार छोटा था लेकिन खुशहाल था। वीरेन्द्र दिन रात मेहनत करता ताकि बच्चों को कोई कमी न हो।

लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पिछले कुछ सालों में आरती का व्यवहार बदलने लगा था। वह अक्सर घर से बिना बताए निकल जाती, देर रात तक वापस नहीं आती। वीरेन्द्र ने कई बार पूछा भी, लेकिन आरती टाल जवाब दे देती। वह सोचता रहा कि शायद कोई पारिवारिक तनाव है या फिर कोई दूसरी वजह, लेकिन सच तो ये था कि उसकी पत्नी के जीवन में कोई और आ चुका था।

22 जनवरी 2026 को जब वीरेन्द्र काम से घर लौटा तो घर सूनापन मिला। पत्नी आरती वहां नहीं थी, बच्चे भी नहीं थे। उसने सोचा शायद वह बच्चों को लेकर कहीं गई होगी। कुछ घंटे गुजरे, एक दिन गुजरा, दूसरा दिन भी बीत गया लेकिन आरती की कोई खबर नहीं आई। वीरेन्द्र ने रिश्तेदारों, दोस्तों, परिचितों को फोन लगाना शुरू कर दिया। किसी को कुछ पता नहीं था। वह पागलों की तरह ग्वालियर की गलियों में अपनी पत्नी और बच्चों को ढूंढता रहा। हर सड़क, हर चौराहा, हर मोहल्ला छान मारा लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

> घर से अचानक लापता हुई पत्नी जब दो माह बाद वापस लौटी तो उसने बिना लाग लपेट के न केवल यह मान लिया कि वह दो महीने से अपने प्रेमी के साथ थी बल्कि उसने यह घोषणा भी कर दी कि आगे से मेरा प्रेमी भी हमारे साथ इसी घर में रहेगा।

लगभग दो महीने बीत गए। वीरेन्द्र ने उम्मीद हार दी थी। उसे लगने लगा था कि शायद उसकी पत्नी और बच्चे कभी वापस नहीं आएंगे। मगर मार्च 2026 में अचानक आरती वापस लौट आई। वीरेन्द्र को यकीन नहीं हुआ, उसकी आंखों से खुशी के आंसू बह निकले। उसने आरती से पूछा, इतने दिनों में कहां थी तुम?

आरती का जवाब सुनकर वीरेन्द्र के पैरों तले जमीन खिसक गई। आरती ने बिना किसी झिझक के सब कुछ कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह आशु उर्फ कमल सेन नाम के युवक के साथ रिश्ते में है और उन दिनों उसी के साथ रही थी। वीरेन्द्र को जैसे सपने में झटका लगा। वह कुछ सोच पाता, इससे पहले ही आरती ने एक और हैरान करने वाली शर्त रख दी।

सुनो वीरेन्द्र, यदि तुम मुझे साथ रखना चाहते हो तो मेरा प्रेमी भी इसी घर में रहेगा। तीनों को एक छत के नीचे रहना होगा। यही एकमात्र शर्त है। और हां मैं उसके साथ ही सोया करुंगी। लेकिन तुम चिंता न करो हफ्ते-दस दिन में तुम्हें भी मौका दिया जाएगा।

वीरेन्द्र को लगा जैसे उसके कानों पर आसमान टूट पड़ा। यह कोई फिल्म का सीन नहीं था, यह उसकी असल जिंदगी थी। उसकी पत्नी, जिसके साथ उसने 18 साल पहले सात फेरे लिए थे, जिसके साथ उसके चार बच्चे थे, वह उसके सामने अपने प्रेमी को घर में लाकर उसके साथ सोने की जिद कर रही थी। वीरेन्द्र ने जैसे तैसे अपने आप को संभाला और कहा, तुम पागल हो गई हो आरती। यह कैसे हो सकता है, लोग क्या कहेंगे।

लेकिन आरती नहीं मानी। उसने साफ कहा या तो उसके प्रेमी को घर में रहने दो या वह घर छोड़ देगी। वीरेन्द्र के इनकार करने के बाद से वह हर बात पर झगड़ा करने लगी। उसे जेल भिजवाने की धमकी देती।

वीरेन्द्र चुप रहता। वह सोचता कि शायद समय के साथ आरती ठीक हो जाएगी, लेकिन हर बीतते दिन के साथ स्थिति और खराब होती गई। बच्चे इस माहौल में बीच में आ रहे थे और डर के साये में जी रहे थे। वीरेन्द्र ने आरती के परिवार वालों को बताने की कोशिश की लेकिन उन्होंने साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि उनकी बेटी कुछ भी गलत नहीं कर सकती। वीरेन्द्र अकेला पड़ गया था। न उसके अपने थे, न ससुराल वाले। वह मौन रहकर सब सहता रहा। उसे बस इतनी चिंता थी कि कहीं बच्चे इस माहौल से बुरी तरह प्रभावित न हो जाएं। मगर जो होने वाला था, वह उससे भी भयानक था।

5 मई 2026 की सुबह जब वीरेन्द्र उठा तो आरती घर पर नहीं थी। वह बिना बताए कहीं चली गई थी। वीरेन्द्र को कुछ अटपटा लगा लेकिन उसने कुछ कहा नहीं। दोपहर बाद आरती वापस लौटी तो उसका चेहरा गुस्से से तमतमा रहा था।

कहां गई थी, राजकुमार ने उससे पूछा?

बस इतना सा सवाल आरती के लिए बहुत था। वह बौखला गई उसने पास पड़ी ईंट उठाई और वीरेन्द्र के सिर पर जोर से दे मारी। उसके सिर से खून बहने लगा। वह बेहोशी के कगार पर था लेकिन बच्चों के लिए जाग रहा था। आरती ने वहां खड़े डर से सहमे बच्चों की तरफ देखा और फिर वीरेन्द्र से बोली, देख लेना अब मैं तुम्हारी हत्या कराऊंगी। अगर तुमने कुछ कहा तो बच्चों को भी नहीं बख्शूंगी।

इतना कहकर आरती ने घर से तमाम सोने-चांदी के जेवरात और नकदी निकाली। चारों बच्चों को हाथ से पकड़ा और निकल गई। जब वीरेन्द्र को होश आया तो घर सूना था। उसने खुद ही अपने सिर पर पट्टी बांधी। बाजार में किसी ने पूछा तो आंखें बचाकर निकल गया। उसे शर्म आ रही थी, डर लग रहा था और सबसे ज्यादा दर्द था अपने ही बच्चों से बिछड़ने का।

उसने सोचा कि अब चुप नहीं बैठना है। कहीं न कहीं जाकर फरियाद करनी ही होगी। अपने इलाके के थाने में उसने हिम्मत जुटाकर शिकायत दर्ज करानी चाही लेकिन वहां के अधिकारियों ने कहा बीवी से झगड़ा है, आपस में समझौता कर लो। वीरेन्द्र को लगा कि कोई उसकी बात नहीं सुन रहा। दर्द और बेबसी में उसने सीधे एसपी ऑफिस जाने का निर्णय लिया। अगर सबको न्याय चाहिए तो सबसे बड़े अधिकारी से ही मिलना पड़ेगा।

अगली सुबह वह सिर पर पट्टी बांधकर ग्वालियर एसपी ऑफिस की तरफ निकल पड़ा। रास्ते में लोग उसे देखते और फुसफुसाते। कोई उस पर हंसता तो कोई उसे नजर से सहानुभूति देता। लेकिन उसे किसी की परवाह नहीं थी। उसे तो बस अपनी जान और बच्चों की चिंता थी। जब वीरेन्द्र एसपी ऑफिस पहुंचा तो जनसुनवाई चल रही थी। कई लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर आए हुए थे। लेकिन जब वीरेन्द्र सिर पर पट्टी बांधे आगे बढ़ा तो लोगों का ध्यान उस पर गया।

मौके पर मौजूद सीएसपी अनुरागना सिरसाम ने उसे बुलाया। वीरेन्द्र ने जैसे ही अपनी व्यथा सुनानी शुरू की, वहां का माहौल गंभीर हो गया। उसने सब कुछ बताया 2008 की शादी से लेकर 5 मई की घटना तक।

साहब, मेरी पत्नी ने कहा कि मैं अपने प्रेमी को घर में रखूंगी। यह सुनकर मैं हैरान रह गया। जब मैंने मना किया तो उसने ईंट से हमला कर दिया। शेष पृष्ठ 7 पर...

जनसुनवाई में पहुंचा पति

आटो में आते-जाते हुआ प्यार

जांच में सामने आया है कि आरती का प्रेमी आटो चलाता है। बाजार आने जाने के लिए आरती अक्सर इसी आटो का उपयोग करती थी। इसलिए बार-बार की मुलाकात पहले दोस्ती और फिर प्यार में बदल जाने के बाद आरती, पति को छोड़कर दो महीने प्रेमी के साथ रही जिसके बाद वह वापस पति के पास लौटकर प्रेमी को भी साथ में रखने की जिद कर रही थी।

जयपुर में बैंक मैनेजर पति को छोड़कर टैक्सी वाले के साथ भाग गई पत्नी : ऐसा ही मामला चंद माह पहले जयपुर में सामने आ चुका है। यहां जयपुर में पदस्थ बैंक मैनेजर की पत्नी अलवर में रहती थी। वह अक्सर अपने पति से मिलने जिस टैक्सी वाले के साथ आती थी उसके साथ ही पत्नी के अवैध संबंध बन गए जिसके बाद वह पति को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई।

छतरपुर

बेटी के बारे में अपशब्द कहने पर पत्नी ने कर दी पति की हत्या

आरोपी पत्नी

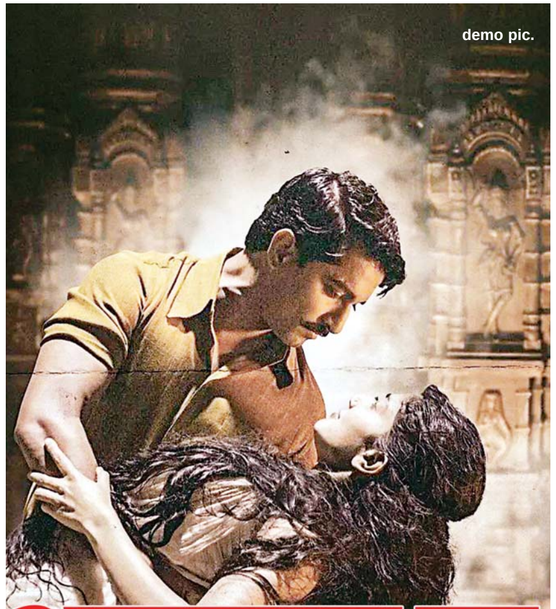

शिवनगर कॉलोनी, छतरपुर का एक आम इलाका है। यहां छोटे-छोटे मकान एक-दूसरे से सटे हैं। महिलाएं दिन में चबूतरे पर बैठकर चर्चा करती हैं, बच्चे गलियों में खेलते हैं। मगर 1 जून की शाम कुछ अलग था। कॉलोनी के एक मकान में दरवाजा टूटा हुआ था, आंगन में खून के धब्बे थे, और वहां रहने वाली युवती गौरी का रोना थमने का नाम नहीं ले रहा था।

27 साल की गौरी कुशवाहा (बदला नाम) की शादी अपने से 3 साल बड़े दीनदयाल कुशवाहा के साथ साल 2014 में हुई थी। शुरू में सब कुछ ठीक था, लेकिन धीरे-धीरे दीनदयाल की सच्चाई सामने आने लगी। वो पेशे से मिस्त्री था, कमाई तो ठीक-ठाक कर लेता था, लेकिन घर के खर्च के लिए एक पैसा भी नहीं देता था। पूरी कमाई शराब में उड़ा देता था। शराब पीने के बाद उसका रूप बदल जाता था। वो नशे में धुत होकर घर आता और गौरी को पीटना शुरू कर देता था।

> एक-दो नहीं पूरे 12 साल तब पति का अत्याचार झेलने के बाद भी गौरी ने मुंह नहीं खोला था मगर जब बात बेटी की इज्जत पर आ गई तो गौरी ने अपने की सुहाग की जान ले ली।
>
> राधे यादव

दीनदयाल न सिर्फ गौरी को पीटता था, बल्कि उसके छोटे-छोटे बच्चों पर भी अपना गुस्सा निकालता था। एक बार तो उसने अपनी मासूम 4 साल की बेटी को उल्टा लटका दिया था। कई बार बच्चों को बैग में भरकर ले जाने की कोशिश करता था। यह सब देखकर पांच साल पहले गौरी का धैर्य टूट गया। वो अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके आ गई। उसने तय किया कि अब वो इस नरक में वापस नहीं जाएगी। वो खुद मेहनत-मजदूरी करने लगी। दिन

मृतक

में किसी के घर सफाई करती, तो किसी दिन खेतों में मजदूरी करती। किसी तरह से अपने और बच्चों का पेट पाल रही थी। इसी बीच उसने कानूनी रास्ता भी अपनाया और करीब दो महीने पहले कोर्ट में तलाक का केस दायर कर दिया। उसने सोचा था कि शायद अब उसे राहत मिलेगी, लेकिन दीनदयाल ने उसका पीछा नहीं छोड़ा था। उस रात गौरी का पूरा परिवार एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए रिश्तेदारी गया था। गौरी घर में अकेली थी तभी सुबह करीब 10 बजे दीनदयाल वहां आ पहुंचा। वो शराब के नशे में धुत्त था आंखें लाल, बोलने में लड़खड़ाहट, हाथ में शराब की बोतल।

उसने दरवाजा खटखटाया। गौरी ने अंदर से देखा तो उसके होश उड़ गए। उसने दरवाजा नहीं खोला और कहा, तुम नशे में हो। अभी काम पर जाना है, मुझे परेशान मत करो।

यह सुनते ही दीनदयाल का क्रोध सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने गालियां देना शुरू कर दिया। जब गौरी ने दरवाजा नहीं खोला, तो उसने इधर-उधर पड़े पत्थर उठाकर दरवाजे पर पटकने शुरू कर दिए। कुछ ही देर में दरवाजे की कुंडी टूट गई और वो अंदर घुस आया।

अंदर आते ही उसने गौरी के बाल पकड़ लिए और जोर-जोर से पीटते हुए उसे बिस्तर पर पटककर उसके कपड़े हटाने लगा। इससे पहले भी दीनदयाल मायके में आकर उसके साथ कई बार यह सब जबरदस्ती कर चुका था। गौरी डरती थी कि कहीं पति की इस हरकत ने उसे बच्चा रुक गया तो समाज तो यही कहेगी कि बिना पति के गर्भ कैसे रूक गया। वह किसे बताने जाएगी और कौन मानेगा कि बच्चा उसके पति का है।

गौरी ने पति के बलात्कार का विरोध तो पहले भी हर बार किया था लेकिन अब तो वह अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगा चुकी थी। ऐसे में उसे पति का यह व्यवहार कतई मंजूर नहीं था इसलिए जब उसने पूरी ताकत से दीनदयाल का विरोध किया तो गुस्से से भरा दीनदयाल बोल उठा तू ऐसे नहीं मानेगी, तेरी बेटी कहां है वह मैं उसे आज साथ लेकर जाऊंगा। बेटी अकेली गौरी की नहीं दीनदयाल की भी थी। लेकिन जिस तरह से उसने तेरी बेटी कहा उससे गौरी को दीनदयाल की नीयत पर शक हो गया।

भगवान सीधा था जो उस रोज गौरी के बेटी नाना-नानी के साथ शादी में गई थी। लेकिन अपनी 7 साल की मासूम बेटी के बारे में पति के मुंह से ऐसी बात सुनकर गौरी चण्डी बन गई। इसी दौरान उसकी नजर पास ही रखे एक लोहे के डंडे पर पड़ी। गौरी ने डंडा उठाकर पति पर वार करना शुरू कर दिया। वो उसे तब तक पीटती रही, जब तक कि दीनदयाल जमीन पर नहीं गिर गया। फिर भी वो रुकी नहीं। उसने लगभग दस मिनट तक लगातार डंडे बरसाए।

कुछ समय बाद गौरी थमी, तो दीनदयाल की हालत खराब थी। उसके सिर, आंख और पैरों में गंभीर चोटें थीं। गौरी को लगा कि वो बेहोश हो गया है। वो एक तख्त पर जाकर बैठ गई। उसका पूरा शरीर कांप रहा था। उसे खुद पर यकीन नहीं हो रहा था कि उसने क्या कर दिया।

करीब एक घंटे बाद गौरी के माता-पिता घर लौटे। उन्होंने देखा कि दरवाजा टूटा हुआ है और अंदर गौरी खामोश अवस्था में बैठी है। शेष पृष्ठ 7 पर...

हर रात उसे औरत की जरूरत होती थी

आरोपी गौरी के अनुसार दीनदयाल की शराब के अलावा सेक्स भी एक कमजोरी थी। मेरा खराब समय चलने के दौरान भी वह पति-पत्नी का रिश्ता बनाए बिना नहीं मानता था। मैं उसे मना करता तो उसका कहना था कि चुपचाप खुद राजी हो जाया कर या दूसरी लड़कियों को मेरे लिए राजी कर घर बुलाकर ला।

मृतक और आरोपी की शादी के समय का चित्र

रोज करता था मारपीट

गौरी जो घटना में पीड़ित भी है और आरोपी भी का कहना है कि उसका पति रोज शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। उसने यह भी बताया कि शादी के बाद पहली रात जब वह कमरे में आया था तो न केवल शराब पीकर आया था बल्कि उस रात उसने सुहाग के पलंग पर बैठकर साथ में लाई बोतल से शराब निकाल की पी और मुझे भी जबरदस्ती शराब पिलाने की कोशिश की थी।

हमने आरोपी महिला के बयान दर्ज कर लिए हैं। घटनास्थल से डंडा और अन्य सबूत जब्त कर लिए गए हैं। पड़ोसियों और परिजनों के बयान भी लिए जा रहे हैं। यह मामला संवेदनशील है, इसलिए हम हर पहलू से जांच कर रहे हैं।

आशुतोष क्षोत्रिय थाना प्रभारी

नातिन को अपशब्द कहे तो मार डाला

गौरी की मां ने बताया कि घटना के समय बेटी के दोनों बच्चे रिश्तेदार के यहां शादी में थे। मेरी बेटी शादी के बाद से ही पति की मारपीट सहन करती रही है। एक बार उसने बच्चों की जान लेने की कोशिश की थी तब 5 साल पहले मेरी बेटी पति को छोड़कर मायके आकर रहने लगी थी। घटना वाले दिन अपनी ही 7 साल की सगी बेटी यानी मेरी नातिन को लेकर कुछ उल्टा-सीधा बोला तो मेरी बेटी से सहन नहीं हुआ और उसके हाथ यह अपराध हो गया। गौरी का भी कहना है कि हत्या करने का उसका कोई इरादा नहीं था। वह तो बस बेटी के बारे में गलत बोलने पर पति को डराना चाहती थी।

कमरे में पड़ी लाश

पेज 1 से जारी

कटनी का चर्चित मामला

तीनों आरोपी

यह जानकारी हाथ आते ही एसपी श्री डेहरिया ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ के निर्देश दे दिए जिससे अगले कुछ ही घंटों में एनकेजे थाना पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर रूबी के साथ उसके पति विपिन तथा भाई मनीष को हिरासत में लेकर तीनों से पहले अलग-अलग पूछताछ की जिससे उनके बयानों में काफी अंतर देखने में आने के बाद उनसे सख्ती से पूछताछ की गई। जिसके चलते सबसे पहले रूबी टूटी। इसके बाद जब रूबी के टूटकर जुर्म स्वीकार कर लेने की बात उसके पति विपिन दुबे और भाई मनीष जायसवाल को लगी तो उन दोनों ने भी अपना अपराध स्वीकर मान लिया कि उन्होंने योजना बनाकर रूबी के साथ सेक्स का लालच देकर प्रदीप का बुलाया था। तीनों की योजना प्रदीप को रूबी के साथ रंगे हाथ पकड़कर बड़ी रकम ठगने की थी। लेकिन बात बिगड़ने से मामला प्रदीप की हत्या तक पहुंच गया।

मृतक पति

36 घंटे में ही मामले का खुलासा कर पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त लाठी एवं चाकू आदि बरामद कर तीनों को अदालत में पेश किया जहां से उनको जेल भेज देने के बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

कटनी से कोई 48 किलोमीटर की दूरी पर पहरिया गांव बसा है। बडवारा थाना सीमा में आने वाले इस गांव में अधिकांश परिवार खेती किसानी से जुड़े हैं। इसी गांव में सुरेश साहू का परिवार भी रहता है। सुरेश के परिवार का आधार भी खेती किसानी ही है। इसके अलावा उनका छोटा बेटा प्रदीप पुणे में टाटा टॉय इलैक्ट्रानिक में नौकरी करता भी करता है।

दरअसल प्रदीप की बचपन से ही खेती में रुचि नहीं थी। बेटे की भावना को ध्यान में रखकर सुरेश साहू ने उसे कटनी में पढ़ने भेज दिया था जहां से उसने 12 वीं की परीक्षा पास करने के बाद आईटीआई किया जिसके आधार पर जल्द ही उसे पुणे की टाटा कंपनी में काम भी मिल गया। इसके अलावा निजी तौर पर प्रदीप प्रोफेशनल फोटोग्राफी का काम भी करता था।

गांव वालों के अनुसार प्रदीप मेहनती और मिलनसार था। खुद उसके माता-पिता बताते हैं कि वह परिवार का काफी ध्यान रखता था। हर महीने वेतन मिलने पर वह अपने खर्च के लिए काफी कम रकम बचाकर शेष पैसा घर भेज देता था। इसके लिए उसे कई बार मां ने टोका भी और अपना ख्याल ठीक से रखने को कहा लेकिन उसका कहना था कि मेरा खर्च ज्यादा नहीं है। लेकिन कौन जानता था कि ऐसे युवक की मौत का मामला देह-व्यापार जैसे घिनौने मसले से जुड़ा हो सकता है।

जांच में सामने आया कि कोई दो साल पहले जब प्रदीप एक शादी समारोह में फोटाग्राफी कर रहा था तब उसकी मुलाकात रूबी से हुई थी। उस शादी में शामिल होने रूबी भी आई हुई थी। रूबी बेहद सुंदर तो थी ही साथ ही साथ अपने ड्रेसिंग सेंस और हल्के मेकअप ने उसे और भी सुंदर बना दिया था। फोटोग्राफर होने की वजह से प्रदीप को फोटोजनिक फेस की अच्छी पहचान थी इसलिए वह जानता था कि जिस किसी भी फोटो के फ्रेम में यह लड़की होगी वह फोटो सबका दिल जीत लेगी। इसलिए फोटो लेते समय वह रूबी का खास ख्याल रख रहा था।

लेकिन उस समय प्रदीप को रूबी की सच्चाई का पता नहीं था। अगर चर्चाओं को सही माने तो रूबी एक तरह से पेड-गर्ल थी। पैसे देकर कोई भी उसकी नजदीकी खरीद सकता था।

रूबी जायसवाल ने विपिन दुबे नाम के युवक से शादी की है। जिसके बारे में बताया जाता है कि विपिन और रूबी की मुलाकात सौदेबाजी के दौरान ही हुई थी। पहली बार में ही विपिन को रूबी के प्यार करने का देशी-विदेशी अंदाज बेहद पसंद आया इसलिए वह बार-बार उसके पास जाने लगा जिसके चलते दोनों में मोहब्बत हो जाने पर उन्होंने आपस में शादी कर ली थी। विपिन से शादी के बाद भी रूबी पैसों के बदले में अपनी सर्विस बेचा करती थी। यह बात और है कि शादी के बाद उसने इस काम को काफी सिलेक्टिव कर दिया था।

प्रदीप का भाई

कहना नहीं होगा कि अगर प्रदीप को सुंदर चेहरों की पहचान करना आती थी तो रूबी को भी युवक के हावभाव देखते की उसके मन की बात पढ़ना खूब अच्छे से आता था। इसलिए जब उसने देखा कि फोटोग्राफर उसका कुछ ज्यादा ही ध्यान रख रहा है तो उसने भी प्रदीप का ध्यान रखना शुरू कर दिया। इसलिए शादी समारोह पूरा होने तक प्रदीप और रूबी ने मोबाइल नंबर एक्सचेंज कर लिए।

इसके बाद दोनों में अक्सर फोन पर बात होने लगी। जिसके चलते जब बात बड़ी तो एक रोज यह भी साफ हो गया कि कुछ पैसों के बदले में रूबी, प्रदीप को अपनी कंपनी देने राजी है। प्रदीप मन ही मन रूबी का दीवाना हो चुका था लेकिन उसने कभी ऐसा काम किया नहीं था इसलिए उसे डर था कि कहीं ऐसा न हो कि वह रूबी से मिलने जाए और किसी तरह से यह बात खुल जाए। उसे अपनी परिवार की इज्जत का काफी डर था लेकिन फोन पर बातचीत करते हुए वह खुद को रूबी से इतना जुड़ा महसूस करने लगा था कि वो अपने को रोक नहीं पाया और एक रोज योजना बनाकर रूबी से मिलने के लिए फोन किया। इस पर रूबी ने उसको प्रेमनगर में अपने घर आने का वक्त बता दिया। तय समय पर प्रदीप रूबी के पास पहुंचा तो रूबी ने उस उन तमाम अहसासों से रूबरू करा दिया जिनके लिए प्रदीप रूबी के पास आया था।

रूबी को उसकी सर्विस फीस देने के बाद प्रदीप जब उसके घर से निकला तो उसे लग रहा था मानों मोहल्ले की सभी निगाहें उसे घूर रही है। इसलिए उसने मन ही मन रूबी के पास आगे से कभी न आने का फैसला कर लिया।

लेकिन उसका यह फैसला ज्यादा समय तक कायम नहीं रह सका। दरअसल रूबी से मुलाकात होने के एक दो दिन दिन बाद तक जब कुछ नहीं हुआ तो प्रदीप को डर के बजाए उस अहसास की याद आने लगी तो रूबी के पास जाकर उसे मिला था। इसलिए वह फिर कभी मौका मिलने पर रूबी से मिलने की योजना बनाने लगा।

इसी बीच वह नौकरी पर पुणे चला गया जिससे वह रूबी से मिलने की बात लगभग भूल गया। इधर परिवार में भी अब उसकी शादी की बातें चलने लगी थी इसलिए उसका सोचना था कि रूबी जैसी लड़कियों के पास जाना कभी भी आदमी के हित में नहीं हो सकता। लेकिन कहते हैं न कि कामदेव के तीर से कोई नहीं बच पाया। ऋषि विश्वामित्र भी मेनका के सौंदर्य पर रीझ कर अपनी तपस्या भंग कर बैठे थे तो प्रदीप तो एक सामान्य युवक था, ऊपर से जवान और कुंवारा।

समय अपनी गति से आगे सरकता जा रहा था।

इसी बीच ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच युद्ध छिड़ गया। अब इस युद्ध से प्रदीप साहू जैसे आम आदमी को क्या मतलब। लेकिन कहते है न कि प्रारब्ध बहुत दूर से अपना फंदा आदमी के ऊपर डालता है। यही प्रदीप के साथ हुआ। इस युद्ध से देश में रसोई गैस की कमी हो गई और संयोग से ऐसी कमी के दौर में पुणे में रह रहे प्रदीप के गैस सिलेंडर की गैस खत्म हो गई।

नया सिलेंडर आसानी से नहीं मिलने वाला था। उसमें वक्त भी काफी लग सकता था। इसलिए मां से फोन करते समय बातों-बातों में जब उसने मां को बताया कि गैस खत्म हो जाने के कारण वह आजकल होटल पर खाना खा रहा है तो हर मां की तरह बेटे की सेहत की चिंता करने वाली प्रदीप की मां ने भी उसे कुछ दिनों के लिए गांव आ जाने को कहा।

अरे नहीं मां ऐसी कोई दिक्कत नहीं है। कुछ दिनों में गैस मिल जाएगी, मां की चिंता दूर करने के लिए प्रदीप ने उनसे कहा लेकिन मां जिद पर अड़ गई कि होटल में खाना ठीक नहीं मिलता तू तो घर आ जा।

प्रदीप कई महीनों से गांव आया भी नहीं था फिर वह जानता था कि इस समय खेतों में काफी काम रहता है इसलिए यह सोचकर की सबसे मिल भी लूंगा और खेती के काम में पिता और भाई की मदद भी कर दूंगा, प्रदीप अपनी कंपनी से छुट्टी लेकर 13 अप्रैल को पुणे से गांव आ गया।

आरोपियों का अदालत ले जाती पुलिस

> प्रदीप के आने पर रूबी पहले दाम मांग रही थी जबकि प्रदीप सर्विस के बाद पेमेंट करने पर अड़ा था। इसलिए जब छुपकर बैठे रूबी के पति और भाई ने देखा कि बकरा अपनी मांग पर अड़ गया है तो दोनों ने मौके पर आकर रूबी को छूने के एवज में बड़ी रकम की मांग शुरू कर दी जिसे पूरा न करने पर हनीट्रेप गर्ल के भाई और पति ने मिलकर ग्राहक प्रदीप की हत्या कर दी।

पहले दाम पहले काम

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

गांव आते ही उसने खेतों में पिता और बढ़े भाई की मदद करना भी शुरू कर दिया। इसी बीच उसकी फोटोग्राफी की कला से परिचित पुराने लोगों ने उसे कुछ समारोह में फोटोग्राफी करने का ऑफर दिया तो वह मना नहीं कर पाया। जिसके चलते उसने कुछ समारोह की बुकिंग भी ले ली। ऐसी ही एक बुकिंग 16 फरवरी के रोज कटनी में आयोजित एक समारोह की भी थी।

इसलिए 16 तारीख की शाम को वह गांव से कटनी आ गया। लेकिन उसे क्या मालूम था कि उसे उसका काम नहीं बल्कि मौत बुला रही है। कटनी आकर हालात कुछ ऐसे बने की रात लगभग 8 बजे प्रदीप अपने काम से फ्री हो गया। उसने गांव वापस जाने की सोची लेकिन इसी बीच उसे अचानक रूबी की याद आ गई। पहले तो उसने खुद को इस रास्ते पर जाने से रोका लेकिन उम्र का असर और मन की तपन से उसकी सोच हार गई। इसलिए उसने रूबी को फोन लगा लिया।

सालों बाद याद आई हमारी, रूबी ने उसका फोन अटैंड करते हुए कहा।

अरे क्या करें तुम्हें तो मेरी नौकरी का पता ही है।

वही तो पुणे में तो एक से एक मिल जाती होगी। इसलिए हमारी याद तुम्हें क्यों आने लगी।

नहीं ऐसा नहीं है। मैं जितनी बार भी आया हूं केवल तुम्हारे पास ही आया हूं।

झूठ न बोलो मर्द जात को मैं अच्छी तरह से जानती हूं। लड़की देखते ही तैयार हो जाते हैं।

मर्द जात को जानती होगी लेकिन मुझे नहीं। मुझे ऐसा कोई शौक नही वो तो तुमसे न जाने क्यों ऐसा रिश्ता बन गया। अच्छा अब सुनो मैं कटनी में हूं। तुम्हारे पास आना चाहता हूं।

किसलिए?

अरे अब यह भी बताना पड़ेगा क्या?

अरे नहीं यार अभी बच्चा छोटा है वह सब नहीं हो पाएगा।

देख लो यार बड़ी उम्मीद से फोन किया है मैने।

नहीं हो पाएगा।

अरे यार, कुछ ज्यादा ले लेना।

कितना दे सकते हो।

तुम बताओ?

10 हजार।

ये तो बहुत अधिक हैं।

तुम कितना दोगे।

पांच।

अच्छा चला 7 दे देना आ जाओ।

ठीक है।

पर रुको आने के बारे में मैं दस मिनट में बताती हूं तुम्हें। इतना कहकर रूबी ने फोन काटकर पास में बैठे अपने पति विपिन की तरफ देखा।

कौन है, उसके पति विपिन ने रूबी से पूछा।

गांव का लड़का है मिलने का बोल रहा है लेकिन ऐसी स्थिति में मेरे बस में कुछ करना नहीं है। मगर साला 7 हजार देने की बात कर रहा है।

तो बुला लो साले से पैसा तो झटक की लेंगे, रूबी की बात सुनकर पति के साथ बैठे रूबी के भाई मनीष ने कहा।

कैसे, साले की बात सुनकर विपिन ने पूछा।

हनीट्रेप जीजा, हनीट्रेप। रूबी उससे मिलेगी तब हम बीच में पहुंचकर उसे पुलिस में ले जाने का डर दिखाकर हलाल कर लेंगे।

ठीक है, लेकिन सुन तू उससे 7 हजार पहले ही ले लेना बाकी उसकी जेब में जो माल होगा वह हम बाद में ले झटक लेंगे विपिन ने रूबी से कहा।

प्रदीप को हनीट्रेप में फंसाने की योजना बन जाने के बाद रूबी ने पड़ोस में रहने वाली शीला यादव से कुछ देर के लिए उनका कमरा मांगकर प्रदीप को आने के लिए फोन कर दिया।

प्रदीप पहुंचा तो रूबी उसे शीला यादव के कमरे में ले गई। प्रदीप ऐसी जगह आने का आदी नहीं था इसलिए वह जल्द से जल्द फ्री होकर वहां से निकल जाना चाहता था। इसलिए कमरे में पहुंचते ही उसे रूबी को बिस्तर लेटने का इशारा किया तो रूबी बोली- पहले पेमेंट।

अरे यार भाग थोड़ी न जाऊंगा।

वो बात नहीं है लेकिन पहले पैसा दो।

नहीं देता। पहले जिस काम का पैसा देना है वह तो हो। प्रदीप ने भी जिद कर ली।

जिद न करो पहले पैसा दो।

आज तक बिना पैसे दिए भागा हूं क्या जो आज तुम ऐसा कह रही हो।

तो दे दो न पैसा मैं भाग जाऊंगी क्या?

अब तक बात मजाक कि अंदाज में हो रही थी लेकिन रूबी ने योजना फेल होते देख थोड़े गुस्से में प्रदीप से पैसों के लिए बोला तो प्रदीप बोला ठीक है डील कैंसिल करते हैं। मैं पहले पैसा नहीं दूंगा।

कमरे के पास ही रूबी का पति और भाई छुपकर बैठे अंदर का सारा नजारा देख रहे थे। उनकी योजना थी कि रूबी पहले प्रदीप से 7 हजार ले लेगी फिर जब प्रदीप कपड़े उतार लेगा तब वे वहां पहुंचकर आगे का नाटक करेंगे। लेकिन प्रदीप पैसा पहले देने राजी नहीं था। यहां तक की वह डील कैंसिल कर वहां से वापस जाने राजी था। विपिन और मनीष ने देखा कि बकरा हाथ से निकल रहा है तो वे उसी समय कमरे में पहुंच गए।

क्या हो रहा है यहां रूबी को एक थप्पड़ मारते हुए विपिन ने नाटक किया। और ये कौन है यहां क्या कर रहा है ये, मनीष ने उससे पूछा तो प्रदीप को कुछ बोलते नहीं बना। इस पर रूबी ने नाटक करते हुए कहा कि यह मुझसे संबंध बनाने का दबाव बना रहा है। इतना सुनते ही मनीष और विपिन ने प्रदीप के साथ मारपीट कर बड़ी रकम की मांग की और न देने पर पुलिस में चलने को कहा। प्रदीप समझ गया कि उसे फंसाया जा रहा है इसलिए वह विरोध कर वहां से जाने लगा तो विपिन और मनीष ने सीधे उस पर हमला कर दिया। इन दोनों ने प्रदीप के गुप्तांग वाले हिस्से का निशाना बनाकर कई बार किए जिसे प्रदीप बुरी तरह घायल होने के बावजूद किसी तरह तीनों की पकड़ से निकल बाहर भागने में सफल हो गया मगर ज्यादा खून बह जाने से थोड़ी दूर जाकर काली मंदिर के पास सड़क पर गिर गया। जहां से पुलिस उसे अस्पताल लेकर गई थी।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

वह दाम से पहले सर्विस मांग रहा था

आरोपी रूबी ने पुलिस को अपने बयान में बताया कि घटना से पहले भी प्रदीप उसके साथ संबंध बना चुका था। उस रोज भी वह इसी काम के लिए मेरे पास आया था लेकिन मैं पैसा पहले मांग रहीं थी मगर वह पैसा अपना काम होने के बाद में देने की बात कर रहा था इसी को लेकर विवाद हुआ था।

प्रदीप ऐसा नहीं था

प्रदीप के पिता और परिजनों का कहना है कि प्रदीप ऐसा लड़का नहीं था जो किसी लड़की के पास इस तरह से जाए। गांव वाले भी यह बात मानते हैं कि आरोपियों द्वारा बताई कहानी भरोसा करने लायक नहीं है।

रूबी ने पति और भाई के साथ मिलकर मृतक को दिया था सेक्स का लालच

पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रदीप द्वारा समय मांगने पर रूबी ने पहले यह कहकर मना कर दिया था कि अभी उसका बच्चा छोटा है। लेकिन जब प्रदीप ने रूबी को उसकी सर्विस के बदले 7 हजार रुपया देने की बात कही तो रूबी के पति और भाई के मन में लालच आ गया। उनकी योजना थी कि रूबी सर्विस देने से पहले प्रदीप से पैसा ले लेगी। जिसके बाद विपिन और मनीष मौके पर पहुंचकर प्रदीप को पुलिस का डर दिखाकर उससे मोटी रकम हड़पने के बाद भगा देगे। लेकिन प्रदीप पैसा काम के बाद देने की बात पर अड़ गया जिससे बात हत्या तक पहुंच गई।

अस्तपाल में रखा मृतक का शव

पुलिस ने 36 घंटों में किया खुलासा

इस मामले में केएनजे थाना टीआई की टीम ने बेहतर काम करते हुए महज 36 घंटे में ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

न गैस सिलेंडर खत्म होता, न प्रदीप गांव आता और न ...

प्रदीप की हत्या में रसोई गैस की कमी का भी बड़ा हाथ है। दरअसल पुणे में नौकरी कर रहे प्रदीप ने जब मां को फोन पर बताया कि गैस खत्म हो जाने के कारण वह आजकल होटल पर खाना खा रहा है तो हर मां की तरह चिंता करने वाली प्रदीप की मां ने उसे कुछ दिनों के लिए गांव आने को कहा। मां की बात मानकर प्रदीप 13 अप्रैल को गांव आ गया जहां 16 को उसकी हत्या कर दी गई।

अन्य मामलों पर है नजर

एनकेजे थाना टीआई का कहना है कि जिस तरह से आरोपियों ने मृतक का हनीट्रेप करने की कोशिश की उससे शक है कि इस गिरोह ने और भी युवकों को चूना लगाया होगा। इसलिए हमारी पुलिस इस बात की भी जान कर रही है।

मृतक प्रदीप